LSTV
लोक सभा
THE HINDU
Times of India
ध्येयIAS
most trusted since 2003
Daily News Scan
(DNS)
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
RSTV
RAJYA SABHA
ET
जागरण

most trusted since 2003

Address: Plot No. A-12,13, Flat No. 201, 2nd Floor, Ansal Building, Mukherjee Nagar, New Delhi, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26, 9205274741/42, 011-49274400

मातंगिनी हज़ारा : हर गोली पर वन्दे मातरम्

(Matangini Hazaraa : Vande Mataram on Every Bullet)

भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ऐसी तमाम महिलाएं सामने आईं, जिन्होंने अपने कौशल से स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। कुछ महिलाएं उदारवादी कानूनी मार्ग पर चल कर योगदान कर रही थीं तो कुछ क्रांतिकारी गतिविधियों के ज़रिए। इन्हीं में एक महान वीरांगना थीं मातंगिनी हाजरा।

DNS में आज हम आपको मातंगिनी हाजरा के बारे में बताएँगे और साथ ही समझेंगे उनके जीवन से जुड़े कुछ अन्य महत्वूर्ण पक्षों को भी .....

मातंगिनी हाजरा का जन्म 19 अक्टूबर, 1870 को तत्कालीन पूर्वी बंगाल और मौजूदा बांग्लादेश के मिदनापुर जिले के होगला गांव में हुआ था। उन्हें बाल विवाह का दंश झेलना पड़ा और बेहद ग़रीबी के चलते उनका विवाह मात्र 12 साल की उम्र में 62 वर्षीय विधुर त्रिलोचन हाजरा से कर दिया गया।

1905 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान मातंगिनी का राष्ट्रवादी चरित्र मुखर रूप में सामने आया। बहिष्कार और निष्क्रिय प्रतिरोध की रणनीति के उस दौर में उन्होंने गांधीवादी कार्य पद्धति में अपनी पूरी आस्था बनाए रखी। उस समय की भारतीय महिलाओं के सामने उन्होंने सूत कातने और खादी वस्त्रों को पहनने की दिशा में एक मिसाल पेश किया था।

मातंगिनी हाजरा ने गाँधीजी के 'नमक सत्याग्रह' में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। 1932 में उनके गाँव में एक जुलूस निकला। उसमें कोई भी महिला नहीं थी। यह देखकर मातंगिनी ने बंगाली परम्परा के अनुसार शंख ध्वनि से उस जुलूस का स्वागत किया और उसमे शामिल हो गईं।

इसके साथ ही वे गांधी जी के सविनय अवज्ञा आंदोलन की सक्रिय महिला सहभागी भी थीं। 17 जनवरी, 1933 को 'करबन्दी आन्दोलन' को दबाने के लिए बंगाल के तत्कालीन गर्वनर एण्डरसन तामलुक आये, तो उनके विरोध में प्रदर्शन हुआ। वीरांगना मातंगिनी हाजरा सबसे आगे काला झण्डा लिये डटी थीं और उन्होंने काले झंडे पूर्ण निर्भीकता के साथ दिखाए भी। वह ब्रिटिश शासन के विरोध में नारे लगाते हुई दरबार तक पहुँच गयीं।

इस पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और छह महीने का सश्रम कारावास देकर मुर्शिदाबाद जेल में बन्द कर दिया।

भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान भी इनकी भूमिका अप्रतिम रही। 29 सितंबर 1942 को अंग्रेजों के खिलाफ एक जुलूस निकाला गया था, जिसमें 6000 से ज़्यादा आंदोलनकारी मौजूद थे। इसमें ज़्यादातर महिलाएं शामिल थीं। वहीं इस जुलूस की अगुवाई 71 वर्षीय मातंगिनी हाजरा कर रही थीं। प्रदर्शनकारियों ने तामलूक थाने पर धावा बोलने की योजना बनाई थी। उनका मकसद थाने को अपने कब्जे में करना था। जैसे ही जुलूस शहर में पहुंचा ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें लागू भारतीय दंड संहिता की धारा 144 के तहत रुकने का आदेश दिया। जब जनता ने पुलिस का आदेश नहीं माना तो पुलिस ने कार्यवाही करनी शुरू कर दी. इससे जुलूस की भीड़ तितर-बितर हो गई। ऐसे में, मातंगिनी अपने हाथ में तिरंगा लिए आगे की ओर बढीं। वे पास के ही एक चबूतरे पर खड़े होकर वंदेमातरम के नारों को बुलंद करने लगी। अचानक एक गोली उनके बायें हाथ में लगी। उन्होंने तिरंगे झण्डे को गिरने से पहले उसे अपने दाएं हाथ में थाम लिया। लेकिन तभी दूसरी गोली उनके दाहिने हाथ में और फिर तीसरी उनके माथे पर लगी। भारत माँ की यह वीरांगना भारत माँ के चरणों में शहीद हो गयी।

Downloaded From: www.dhyeyaias.com

Address: Plot No. A-12,13, Flat No. 201, 2nd Floor, Ansal Building, Mukherjee Nagar, New Delhi, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26, 9205274741/42, 011-49274400

इस बलिदान से पूरे इलाके में इतना जोश उमड़ा कि दस दिन के भीतर ही लोगों ने अंग्रेजों को खदेड़कर वहाँ स्वाधीन सरकार स्थापित कर ली। इस स्वाधीन सरकार ने करीब 21 महीने तक काम किया। दिसम्बर, 1974 में भारत की तत्कालीन प्रधानमन्त्री इन्दिरा गान्धी ने अपने प्रवास के समय तामलुक में मांतगिनी हाजरा की मूर्ति का अनावरण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया था। इतिहास में इन्हें 'गाँधी बूढ़ी' अथवा 'ओल्ड लेडी गाँधी' के नाम से भी जाना जाता है.

DHYEYAIAS.COM

Downloaded From: www.dhyeyaias.com

Dhyeya IAS Now on Telegram

Join Dhyeya IAS Telegram Channel from link the given below

https://t.me/dhyeya_ias_study_material

नोट : पहले अपने फ़ोन में टेलीग्राम App Play Store से Install कर ले उसके बाद लिंक में क्लिक करें जिससे सीधे आप हमारे चैनल में पहुँच जायेंगे।

You can also join Telegram Channel through our website

www.dhyeyaias.com

www.dhyeyaias.com/hindi

ध्येयIAS
most trusted since 2003

Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter
(ध्येय IAS ई-मेल न्यूजलेटर सब्स्क्राइब करें)

जो विद्यार्थी ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप (Whatsapp Group) से जुड़े हुये हैं और उनको दैनिक अध्ययन सामग्री प्राप्त होने में समस्या हो रही है | तो आप हमारेईमेल लिंक Subscribe कर ले इससे आपको प्रतिदिन अध्ययन सामग्री का लिंक मेल में प्राप्त होता रहेगा | **ईमेल से Subscribe करने के बाद मेल में प्राप्त लिंक को क्लिक करके पुष्टि (Verify) जरूर करें अन्यथा आपको प्रतिदिन मेल में अध्ययन सामग्री प्राप्त नहीं होगी |**

नोट (Note): अगर आपको हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में अध्ययन सामग्री प्राप्त करनी है, तो आपको दोनों में अपनी ईमेल से Subscribe करना पड़ेगा | आप दोनों माध्यम के लिए एक ही ईमेल से जुड़ सकते हैं |

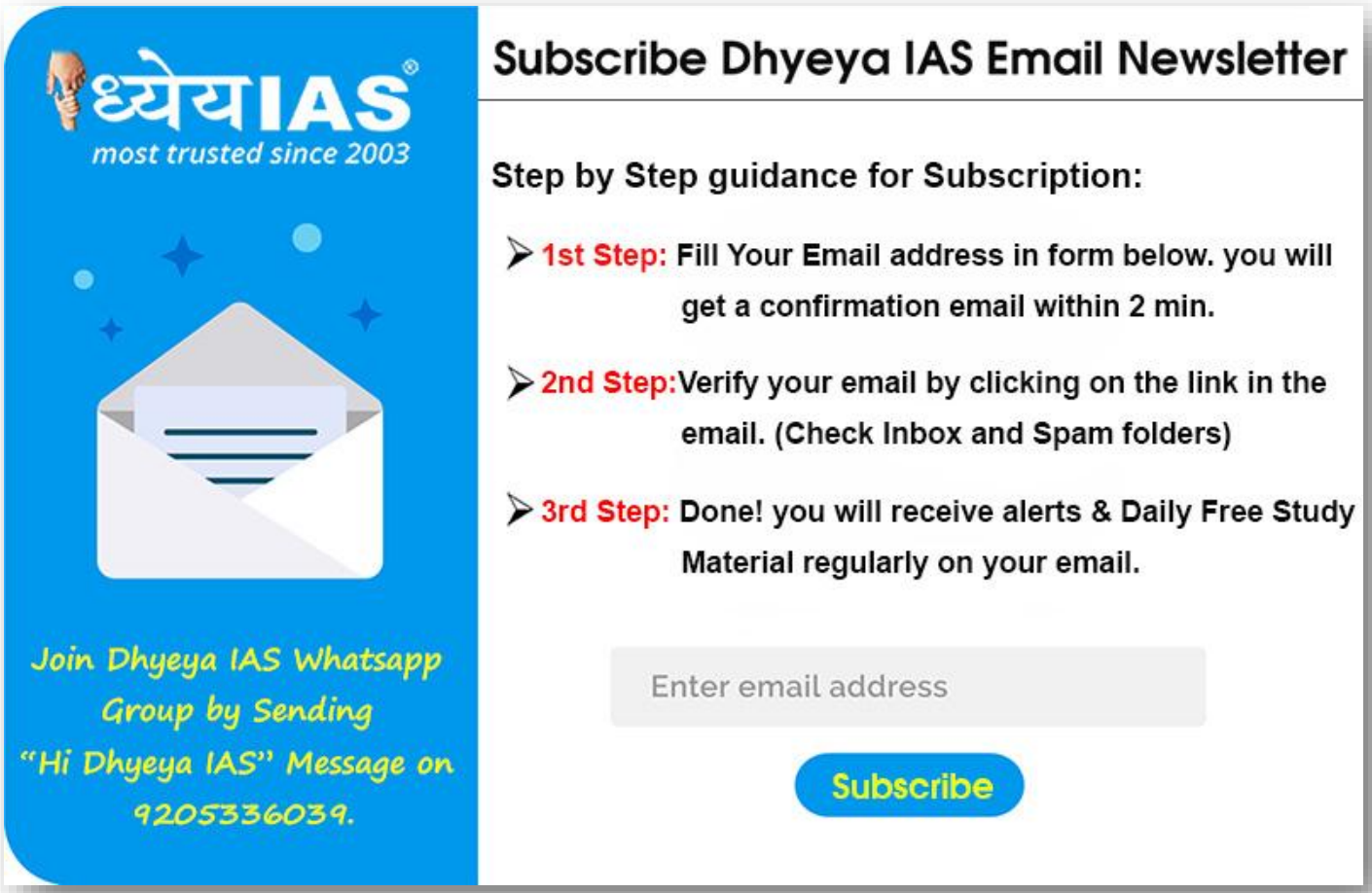

ध्येय IAS
most trusted since 2003
Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400